NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 3

Chapter Name : तुम कब जाओगे, अतिथि

Q1 (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

1. अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर पर रह रहा हैं?

2. कैलेंडर की तारीख किस तरह फड़फड़ा रही हैं?

3. पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?

4. दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गई?

5 तीसरे दिन सुबह अतिथि ने क्या कहा?

6 सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

Answer. (क)

1. जब अतिथि आया तो लेखक को लगा कि वो एक या ज्यादा से ज्यादा दो दिन में चला जाएगा परन्तु वह तो लेखक के घर में चार दिनों से रह रहा था ।

2. अतिथि को इतने दिनों से लेखक के घर में रहता देखकर मानो कैलेंडर की आँखें अपनी सीमा में नम्रता से फडफडाते हुई कह रही हो कि आप कब जाएँगे ।

3 . पति (लेखक) ने मेहमान को एक स्नेह भरी मुस्कुराहट के साथ गले लगाया था एवं उनकी पत्नी ने उन्हें सादर नमस्ते किया था। रात का भोजन को उच्च मध्यम वर्ग में परिवर्तित किया गया था। जिसमें दो सब्जी, रायता और उसके i साथ मीठा भी परोसा गया था।

4 . दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की गई थी।

5 . तीसरे दिन सुबह जब अतिथि ने कुछ कहने के लिए अपना मुख खोला तो सबको लगा अब इनके

aglasem.com

जाने का वक़्त आ गया है परन्तु अतिथि ने नम्रता पूर्वक अपने कपड़े धोबी को देने की इच्छा जताई थी।

6 . सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर जो सफर दो सब्जी, नाश्ते और मीठे से शुरू हुआ था वो खिचड़ी पर आ गया था और शायद उपवास तक भी जा सकता था। ठहाके कि जगह सन्नाटों ने ले ली थी ।

Page : 33 , Block Name : मौखिक

Q2 (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25 - 30 शब्दों में) दीजिए :-

1. लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

2 पाठ में आए निम्नलिखित कथनों की व्याख्या कीजिए :-

(क). अंदर ही अंदर कहीं मेरा धुलवाााप गया।

(ख)अतिथि सदैव देवता नहीं होता वह मानव और थोडे अंशों में राक्षस भी हो सकता हैं।

(ग). लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौडे ।

(घ) मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी।

(ङ) एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते।

Answer (क) 1. लेखक अपने अतिथि (मेहमान) को भावभीनी अर्थात् बहुत अच्छी विदाई देना चाहता था। वह अपने अतिथि को विदा करने अर्थात् छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन तक जाए, और उन्हें बार - बार रुक जाने का आग्रह करें, परंतु वह न रुके।

2 (क) बिना कोई खबर या सूचना दिए अतिथि को आया देखकर लेखक परेशान हो गया, और वह ये सोचने लगा कि अब उसे अधिक अर्थात् अतिरिक्त ख़र्चा वहन करना पड़ेगा जो, उसकी जेब के लिए भारी पड़ने वाला है।

2 (ख). अतिथि देवता तभी होता है, अगर वह अपना देवत्व बनाए रखे। अगर आया हुआ अतिथि दूसरे दिन वापस नहीं जाता और मेज़बान के लिए पीड़ा या दुख का कारण बने, तो वह अतिथि मनुष्य न रहकर

aglasem.com

राक्षस प्रतीत होने लगता है। देवता तो कभी दुख का कारण नहीं बनते है।

2 (ग) जब आया हुआ अतिथि आकर समय पर वापस नहीं जाता तो मेज़बान के परिवार में अशांति बढ़ जाती है। उस परिवार का सुख, चैन खो जाता है। और पारिवारिक समरसता कम होती जाती है। फिर ऐसे अतिथि का रहना अच्छा नहीं लगता हैं।

2 (घ) पहले दिन के बाद से ही लेखक को अतिथि का रहना भारी पड़ रहा था। दो-तीन दिन का रुकना तो जेसे-तैसे बीता, पर उसके अगले दिन ही लेखक यह सोचने लगा कि यदि अतिथि पाँचवें दिन रूक गया तो उसे यहां से जाने को बोलना पड़ेगा। उसे यहाँ से गेट आउट कहना पड़ेगा।

2 (ङ) देवता तो कुछ ही समय के लिए आते हैं और अपना दर्शन देकर चले जाते हैं। वैसे ही अतिथि कुछ ही समय के लिए देवता प्रतीत होते हैं, ज्यादा दिन ठहरने पर वह मनुष्य के लिए भारी पड़ने लगता है। फिर किसी भी तरह से उस अतिथि को जाना ही पड़ता हैं।

Page : 33 , Block Name : लिखित

Q2 (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50 - 60 शब्दों में) दीजिए-

1. कौन-सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पडा?

2. संबधों का संक्रमण के दौर से गुजरना इस पंक्ति से आप क्या समझते है? विस्तार से लिखिए-

3. जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिर्वतन आए?

Answer. (ख) 1. घर आये अतिथि का इस प्रकार कहना, कि वह अपने कपड़े धोबी से धुलवाना चाहता है, एक अप्रत्याशित आघात था। यह कहना या फरमाइश करना एक ऐसी चोट के समान था, जिसकी लेखक ने कल्पना भी नहीं की थी। इससे लेखक को ऐसा प्रभाव पड़ा कि उसे वह अतिथि राक्षस समझ आने लगा। लेखक के मन में अतिथि के लिए सम्मान की जगह बोरियत बोझ, तिरस्कार एवं अपमान की भावना आने लगी। और उन्हें ऐसा लगने लगा कि वह अतिथि इसी समय उसके घर से चला जाए।

aglasem.com

2. संबधों का संक्रमण दौर से गुजरने का आशय हैं- संबधों में बदलाव आना। इस कारण या इस अवस्था में वस्तु अपना असली स्वरूप खो देती है, और कोई दूसरा रूप ही धारण कर लेती हैं। लेखक के घर आया मेहमान जब दो-तीन दिन से अधिक समय रुक गया तो ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई। लेखक ने उससे अनेक विषयों पर बातें करके विषय का ही अभाव बना लिया था। इससे चुप रहने की स्थिति बन गई, जो बोरियत लगने लगी, इस प्रकार खुशी की जगह बोरियत ने ले ली।

3 . जब आया हुआ अतिथि चार दिनों के बाद भी घर से नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में निम्नलिखित परिर्वतन आए-

→ उन्होने अतिथि के साथ मुस्कराकर बात करना छोड़ दिया मुस्कान भी फीकी हो गई। उनके बिच में बातचीत भी बंद हो गई।

→ अच्छे-अच्छे स्वादिष्ट भोजन की जगह खिचड़ी बनवाना शुरू कर दिया।

→ वह अतिथि को घर से जाने के लिए भी बोलने को तैयार हो गया। उसके मन में प्यार की जगह नफरत ने ले ली थी।

Page : 33 , Block Name : लिखित

Q1 निम्नलिखित शब्दों के दो -दो पर्याय लिखिए-

चाँद, जिक्र, आघात, ऊष्मा, अंतरंग

Answer. चाँद - चंद्रमा, मयंक

जिक्र - उल्लेख, वर्णन

आधात - वार, चोट

ऊष्मा - ताप, गर्मी

aglasem.com

अंतरंग - अंदरूनी, आंतरिक

Page : 33 , Block Name : भाषा - अध्ययन

Q2 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए-

1. हम तुम्है स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे। (नकारात्मक वाक्य) .....

2. किसी लॉण्ड्र् पर दे देते है, जल्दी धूल जाएँगें। (प्रश्नवाचक वाक्य)

.....

3. सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। (भविष्यत काल)

.....

4. इनके कपड़े देने हैं। (स्थान सूचक प्रश्नवाची)

5. कब तक टिकेगे ये? (नकारात्मक)

Answer.

1. हम तुम्है स्टेशन तक छोड़ने नहीं जाएँगे।

2. किसी लॉण्ट्री में देने से क्या यह जल्दी धूल जाएँगें?

3. सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो जाएगी।

4. इसके कपड़े कहाँ देने है?

5. कब तक नहीं टिकेगें यें।

Page : 33 , Block Name : भाषा - अध्ययन

aglasem.com

Q3 पाठ में आए इन वाक्यों में 'चुकना' क्रिया के विभिन्न प्रयोगों को ध्यान से देखिए और वाक्य संरचना को समझिए-

1. तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके ।
2. तुम मेरी काफी मिट्टी खोद चुके।
3. आदर-सत्कार के जिस उच्च बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे।_____
4. शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चुक गए।
5. तुम्हारे भारी-भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो।

Answer. इस प्रश्न को छात्र स्वयं करें।

Page : 34 , Block Name : भाषा - अध्ययन

Q4 निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं में 'तुम' के प्रयोग पर ध्यान दीजिए-

1. लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यहीं हो।_____
2. तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे-धीरे पफीकी पड़ कर अब लुप्त हो गई है।
3. तुम्हारे भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी।
4. कल से मैं उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो।
5. भावनाएँ गलियों का स्वरूप ग्रहण कर रही हैं, पर तुम जा नहीं रहे।

Answer. छात्र पढ़े और 'तुम' के प्रयोग पर ध्यान देकर समझे।

Page : 34 , Block Name : भाषा - अध्ययन

Q1 'अतिथि देवो भव' उक्ति कि व्याख्या करें तथा आधुनिक युग के संधर्भ में इसका आकलन करें ।

Answer. पुराने समय से ही भारत देवता का दर्जा दिया गया है । उन्हें सम्मान दिया जाता है , सारा घर ही उनकी आव भगत में लग जाता है ।परन्तु आज के युग में अतिथि के लिए समय निकलना बड़ा ही कठिन है। भाग दौड़ के इस दौर में लोग ज़्यादा दिन किसी को अपने यहाँ रखना नहीं चाहते ।सबके पास समय सीमित है और अपने परिवार के लिए ही समय दे पाना कठिन है। यही कारण है कि आज कल

लोग अतिथि को ज़्यादा पसंद नहीं करते ।

Page : 34 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q2 विद्यार्थी अपने घर आए अतिथियों के सत्कार का अनुभव कक्षा में सुनाए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 34 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q3 अतिथि के अपेक्षा से अधिक रुक जाने पर लेखक कि क्या-क्या प्रतिकियाएँ हुई, उन्हें क्रम से छाँटकर लिखिए ।

Answer. जब अतिथि अपेक्षा से ज़्यादा रुक गया तो लेखक और उसके घर वाले उदास हो गए । जिसके फल स्वरुप निम्न प्रतिक्रियाएं हुई =-

→ बातों का सिलसिला जो देर रात तक चलता था उसकी जगह अब ख़ामोशी ने ले ली थी ।

→ भोजन जो पहले किसी होटल से कम नि था अब वो खिचड़ी में बदल चुका था बल्कि उपवास कि नौबत भी आ सकती थी ।

→ अतिथि जो अभी तक देवता था, दानव लगने लगा था ।

→ सब कहते थे कि वह एस्त्रोनौट कि तरह उड़ जाए ।

→ जहाँ पहले खुशहाली थी, अब सन्नाटा छाया था ।

Page : 34 , Block Name : योग्यता विस्तार

aglasem.com

aglasem.com